सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 154 | जौनपुर, गुरूवार, 29 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आप विधायक प्रकाश जरवाल दोषी करार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के एक डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज आप विधायक प्रकाश जारवाल को दोषी करार दिया। 18 अप्रैल, 2020 को 52 वर्षीय डॉ. राजेंद्र सिंह ने दुखद रूप से अपने आवास पर अपनी जान ले ली। अधिकारियों के अनुसार, एक कथित सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिससे पता चलता है कि वह अपने जल आपूर्ति व्यवसाय को लेकर जारवाल और उनके सहयोगी से उत्पीड़न का सामना कर रहे थे। जारवाल के खिलाफ जबरन वसूली के आरोपों का हवाला देते हुए नोट ने स्पष्ट रूप से उनके निधन की जिम्मेदारी उन पर डाल दी। नवंबर 2021 में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 120–बी (आपराधिक साजिश की सजा), 386 (किसी व्यक्ति को मौत या गंभीर चोट के डर में डालकर जबरन वसूली), 384 (सजा) जबरन वसूली के लिए), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) के तहत आरोप तय किए। अदालत ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह दिखाने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री है कि आरोपी प्रकाश जारवाल और कपिल नागर ने मृतक डॉ. राजिंदर को डीजेबी के साथ अपने टैंकरों को चलाने के लिए पैसे नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर जबरन वसूली की थी।

एनजीटी ने हिंडन नदी में अपशिष्ट पदार्थ बहाने पर अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने ग्रेटर नोएडा की एक आवासीय कॉलोनी से उत्पन्न अपशिष्ट पदार्थ को हिंडन नदी में बहाने पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कम से कम समय के भीतर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से भी जवाब मांगा है। एनजीटी एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दावा किया गया था कि ग्रेटर नोएडा में शिवम एन्क्लेव कॉलोनी से उत्पन्न अपशिष्ट पदार्थ नदी में बहाया जा रहा है। अधिकरण ने जनवरी में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और गौतम बौद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट सहित अधिकारियों से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्टों पर गौर करते हुए एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल की पीठ ने कहा, ''शिवम एन्क्लेव कॉलोनी, पुराना हैबतपुर हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्र में स्थित है जहां कोई सीवरेज नेटवर्क नहीं है और इससे उत्पन्न अपशिष्ट पदार्थ सीधे हिंडन नदी में प्रवाहित किया जाता है।

जनता इस बार बीजेपी को 400 सीटें देगी - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 करोड़ से अधिक किसानों को 21 हजार करोड़ से अधिक की सम्मान राशि सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की और साथ ही महाराष्ट्र में रेल, सड़क और सिंचाई से संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मैं 10 साल पहले जब 'चाय पर चर्चा' करने यवतमाल आया था, तो आपने बहुत आशीर्वाद दिया और देश की जनता ने एनडीए को 300 पार पहुंचा दिया। फिर मैं 2019 में फरवरी के महीने में ही यवतमाल आया था। तब भी आपने हम पर खूब प्रेम बरसाया। देश ने भी तब एनडीए को 350 पार करा दिया। आज जब 2024 के चुनाव से पहले मैं विकास के उत्सव में शामिल होने आया हूं, तब पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है। अबकी बार... 400 पार। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम देश बनाने के लिए, देशवासियों का जीवन बदलने के लिए एक मिशन लेकर निकले हुए लोग हैं। इसलिए बीते 10 वर्ष में

जो कुछ किया, वो आने वाले 25 वर्ष की नींव है। मैंने भारत के कोने–कोने को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए शरीर का कण–कण, जीवन का क्षण–क्षण समर्पित है। उन्होंने जौर देते हुए कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए चार सबसे बड़ी प्राथमिकता है– गरीब, किसान, नौजवान और नारीशक्ति। ये चारों सशक्त हो गए, तो हर समाज, हर वर्ग, देश का हर परिवार सशक्त हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, ये जो इंडी गठबंधन है, इसकी जब केंद्र में सरकार थी तब क्या स्थिति थी? तब तो कृषि मंत्री भी यहीं महाराष्ट्र से ही थे। उस समय दिल्ली से विदर्भ के किसानों के नाम पर पैकेज घोषित होता था और उसे बीच में ही लूट लिया जाता था। गांव, गरीब, किसान, आदिवासी को कुछ नहीं मिलता था। उन्होंने कहा कि आज देखिए, मैंने एक बटन दबाया और देखते ही देखते, पीएम किसान सम्मान निधि के 21 हजार करोड़ रुपये देश के करोड़ों किसानों के खाते में पहुंच गए। यही तो मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब दिल्ली से 1 रुपया निकलता था, 15 पैसा पहुंचता था। अगर कांग्रेस की सरकार होती, तो आज जो आपको 21 हजार करोड़ रुपये मिले हैं, उसमें से 18 हजार करोड़ रुपये बीच में ही लूट लिए जाते। लेकिन अब भाजपा सरकार में गरीब का पूरा पैसा, गरीब को मिल रहा है।

अपने इस्तीफे की खबर को सीएम सुक्खू ने किया खारिज

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को उन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि न तो किसी ने मुझसे इस्तीफा मांगा और न ही मैंने अपना इस्तीफा किसी को दिया है। हम बहुमत साबित करेंगे। हम जीतेंगे, हिमाचल की जनता जीतेगी। उन्होंने कहा कि मैं डरने वालों में से नहीं हूं और मैं यह गारंटी के साथ कह सकता हूं कि जब बजट पेश किया जाएगा तो कांग्रेस जीतने वाली है। आज बजट पास होगा। बीजेपी मेरे इस्तीफे की अफवाह फैला रही है। कांग्रेस एकजुट है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी मेरे इस्तीफे की अफवाह फैला रही है। वे विधायक दल में टूट कराना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़कर उनके साथ आ जाएं।

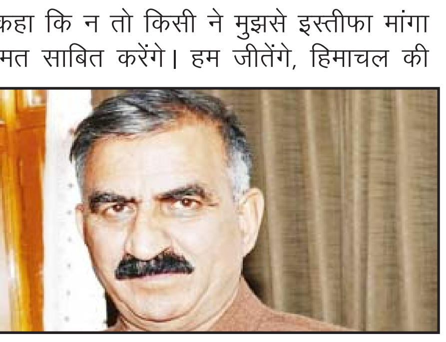

कांग्रेस एकजुट है...बीजेपी को वोट देने वाले कुछ विधायक हमारे संपर्क में हैं। इससे पहले कहा गया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस्तीफे की पेशकश की है। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने सुक्खू का इस्तीफा नहीं मांगा, लेकिन मुख्यमंत्री ने अपनी इच्छा से पद छोड़ने की पेशकश की। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि सुक्खू ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। मुश्किलें गहराने के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस को बुधवार को शक्तिशाली मंत्री विक्रमादित्य सिंह के इस्तीफे से एक और झटका लगा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पार्टी विधायकों के विचारों को अनदेखा किया गया।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में साझेदार होने का गर्व है भारत को – राष्ट्रपति द्रौपदी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत को बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में साझेदार होने और एक मित्र होने पर गर्व है और वह बांग्लादेश की विकास यात्रा में लगातार साझीदार बना हुआ है। बांग्लादेश के एक युवा प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत को बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में साझेदार होने और मित्र होने पर गर्व है और हम बांग्लादेश की विकास यात्रा में लगातार साझीदार बने हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि हमें इस भावना को संरक्षित और पोषित करना चाहिए, जो हमारे दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच का रिश्ता दिल और आत्मा का है। उन्होंने कहा, ''हमारे बीच एक गहरा सांस्कृतिक संबंध है और कला, संगीत, क्रिकेट तथा भोजन के प्रति एक समान लगाव है।

(रवींद्रनाथ) टैगोर द्वारा लिखा गया हमारा राष्ट्रगान हमें गौरवान्वित करता है। हम बाउल संगीत और काजी नजरूल इस्लाम की कृतियों के लिए प्यार को साझा करते हैं। हमारी साझा विरासत में हमारी एकता और विविधता का उत्सव मनाया जाता है।

अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ आरोपों पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने छह महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के आरोप के मामले में भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने संबंधी अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने कथित अपराध की रिपोर्ट करने में देरी और शिकायतकर्ताओं के बयानों में विरोधाभास का हवाला देते हुए मामले से बरी करने की मांग की थी। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने शिकायतकर्ताओं, दिल्ली पुलिस और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर सहित आरोपियों की दलीलें सुनीं। अदालत ने आदेश की घोषणा 15 मार्च को तय की है। कार्यवाही के दौरान, शिकायतकर्ताओं और पुलिस ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमे को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सबूत थे। दिल्ली पुलिस ने आरोपी के इस तर्क को खारिज कर दिया कि कुछ घटनाएं विदेशों में हुईं और इस तरह ये दिल्ली की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर की हैं, पुलिस ने कहा कि बृज भूषण शरण सिंह ने ऐसे कृत्य विदेश में किए हों या दिल्ली सहित भारत में कहीं भी, उसी अपराध का हिस्सा थे। उनके वकील ने पहले अदालत को बताया था कि घटनाएं 2012 में घटी बताई गई थीं, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना 2023 में दी गई। इसके अलावा, उन्होंने कथित घटनाओं के समय और स्थानों में विसंगतियों का तर्क दिया था और उनके बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं होने का दावा किया था। बचाव पक्ष ने शिकायतकर्ताओं के हलफनामे और बयानों के बीच विरोधाभास बताया था। दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने अपनी दलीलें पूरी कर ली थीं। यह तर्क दिया गया कि कथित यौन उत्पीड़न की घटनाएं, चाहे वे विदेश में हों या देश के भीतर, आपस में जुड़ी हुई हैं और एक ही लेनदेन का हिस्सा हैं। इसलिए, पुलिस ने कहा था कि अदालत के पास मामले की सुनवाई का अधिकार है। भाजपा सांसद ने पहले दिल्ली की अदालत के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए दावा किया था कि भारत में कोई कार्रवाई या परिणाम नहीं हुआ। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने तर्क दिया था कि आईपीसी की धारा 354 के तहत मामला समय–बाधित नहीं है और इसमें अधिकतम पांच साल की सजा का प्रावधान है। शिकायत दर्ज करने में देरी के मुद्दे को हल करते हुए श्रीवास्तव ने महिला पहलवानों के बीच डर का मुद्दा उठाया था और कहा था कि कुश्ती उनके जीवन में बहुत महत्व रखती है और वे अपने करियर को खतरे में डालने की चिंताओं के कारण आगे आने से झिझक रही थीं। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि बृज भूषण शरण सिंह के बचाव में यह दावा करते हुए कि उनके कार्य पितृसत्तात्मक थे, उनके कृत्यों के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया। आरोपी ने शरीर का अनुचित स्पर्श किए जाने के पीड़िताओं के बयानों का यह कहकर खंडन किया था कि वह सांस लेने के पैटर्न की जांच कर रहा था। पुलिस ने दावा किया था कि बृजभूषण शरण सिंह और सह–आरोपी तोमर के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त सबूत हैं।

सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं मांग रहे तीसरा कार्यकाल - राजनाथ सिंह

बिहार, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बिहार के दौरे पर हैं। बिहार के दरभंगा और सीतामढ़ी में उन्होंने अलग–अलग सभाओं को संबोधित किया। दरभंगा में उन्होंने का संकट खत्म कर देंगे। हमारा चरित्र है कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए तीसरा

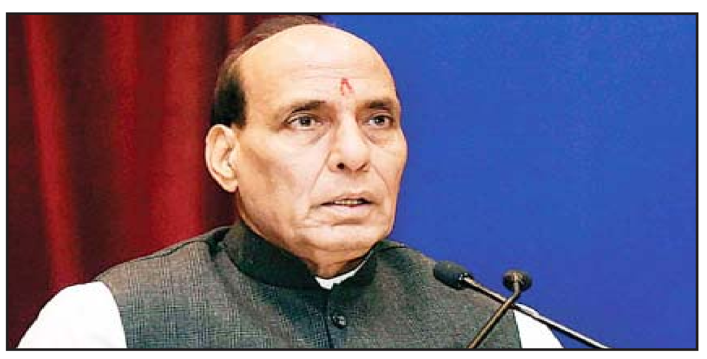

कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को मौका दीजिए, तीसरा ही नहीं चौथा कार्यकाल भी देने का संकल्प लीजिए, हम गरीबी और बेरोजगारी कार्यकाल मांग रहे हैं। पीएम मोदी से पहले हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी लेकिन हमारी सरकार की नीतियों के कारण देश अब 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राजनाथ ने कहा कि अभी आपने देखा होगा कि जिन भारतीय पूर्व नौसैनिकों को कतर की अदालत में फाँसी को सजा सुनाई गई थी। उस समय प्रधानमंत्रीजी ने बात करके उनकी फाँसी की सजा माफ कराई। यह है हमारा भारत। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न हम लोगों ने दिया। कांग्रेस के समय में उनकी उपेक्षा हुई। उनके समय में एक परिवार को ही यह सब मिलता था। हमारे प्रधान मंत्री जी ने पी वी नर सिम्हाराव जी को भी भारत रत्न दिया, जो कांग्रेस के नेता थे। हमने उनके योगदान का सम्मान किया है। सीतामढ़ी में राजनाथ ने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर आंदोलन चल रहा था तो कारसेवकों के एक जत्थे का नेतृत्व मैंने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में किया था। मुझे इस आंदोलन के लिए जेल भी जाना पड़ा था। आज अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हो गया है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो वे कहते थे कि गरीबी हटायेंगे। मगर गरीबी नहीं हटी। जबकि मोदीजी के नेतृत्व में दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह मैं नहीं बल्कि नीति आयोग कह रहा है, कई फर्म्स कह रही हैं। भाषण देकर गरीबी नहीं समाप्त की जा सकती। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब मैं डिफेंस मिनिस्टर बना था तो भारत से करीब एक हजार करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात होता था। अब वह बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

एनसीबी, नौसेना, गुजरात पुलिस ने मादक पदार्थ की बड़ी खेप जब्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), नौसेना और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 3,132 किलोग्राम मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप को जब्त करने में सफलता प्राप्त की। शाह ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता देश को मादक पदार्थ मुक्त बनाने की दिशा में मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मादक पदार्थ मुक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप एजेंसियों ने मादक पदार्थ की बड़ी खेप को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। शाह ने कहा, एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस ने एक

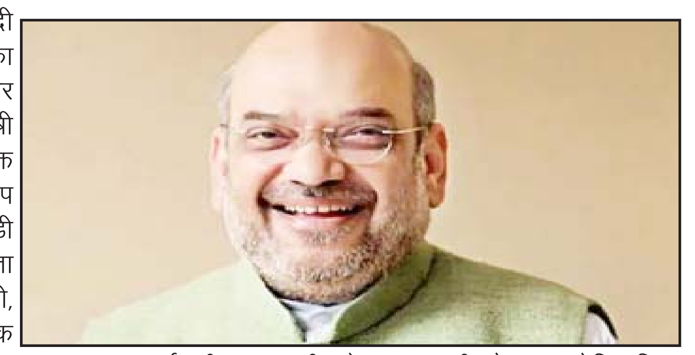

संयुक्त अभियान में 3,132 किलोग्राम मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप जब्त की है। यह ऐतिहासिक सफलता हमारे देश को मादक पदार्थ मुक्त बनाने के दिशा में हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। इस अवसर पर मैं एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस को बधाई देता हूं।

बजट सत्र में नहीं शामिल हो सकेंगे हेमंत सोरेन, हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

रांची, एजेसी। झारखंड हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले 22 फरवरी को रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने याचिका खारिज कर दी थी जिसके बाद हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के पूर्व प्रमुख को 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कथित भूमि घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत द्वारा 22 फरवरी को उनकी याचिका खारिज करने के बाद सोरेन ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। ईडी ने दावा किया है कि उसने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी तलाशी में 36 लाख रुपये से अधिक की नकदी और पूर्व झारखंडियों द्वारा कम से कम 12 भूमि पार्सल के अवैध कब्जे से संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं। ईडी ने सोरेन पर वास्तव में और जान बूझकर अपराध की आय के अधिग्रहण, छुपाने, कब्जे और उपयोग से जुड़ी प्रक्रिया और गतिविधियों में शामिल होने और अपराध की उक्त आय को बेदाग संपत्ति के रूप में पेश करने का आरोप लगाया।

सीएम योगी रखेंगे पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी तीन मार्च को गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। इसे भविष्य में विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड कर दिया जाएगा। इसके एक दिन पहले दो मार्च को सीएम योगी महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जिले को 1007 करोड़ रुपये की 49 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। गोरखपुर में बनने वाला पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान

संस्थान, मथुरा से संबद्ध होगा। इसके बन जाने से पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार और पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के पशुपालकों को भी काफी फायदा होगा। इस महाविद्यालय को क्रमवार तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। इसके लिए गोरखपुर–वाराणसी हाईवे पर स्थित ताल नदोर में 80 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। पहले चरण के निर्माण पर 228 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कार्यदायी संस्था के रूप में लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदार दी गई है। महाविद्यालय के परिसर में हॉस्पिटल ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ–साथ पशु चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी विभिन्न विधाओं के शोध अध्ययन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। महाविद्यालय परिसर को नेट जीरो एनर्जी की अवधारणा पर विकसित किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में यहां स्नातक स्तर पर 100 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था होगी। ताल नदोर में मुख्यमंत्री तीन मार्च को दोपहर बाद महाविद्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन करेंगे।

संपादकीय

घरेलू हिंसा में पुरुष प्रताडना

मीडिया द्वारा उपलब्ध अनेक पुख्ता और ताजा रिपोर्ट बता रही है कि दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी पुरुषों के ऊपर घरेलू हिंसा की समस्या से जूझ रहा है। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। रिसर्च पर आधारित तथ्य बताते हैं कि देश में घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों में करीब चालीस फीसदी शिकायतें पुरुषों से संबंधित होती हैं, यानी इनमें पुरुष घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं और उत्पीडन करने वाली कुछ महिलाएं होती हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है, लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसदी से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। कुछेक महिलाओं द्वारा पुरुषों को प्रताडिघ्त करने से, पुरुषों द्वारा आत्महत्या के मामलों में वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है जिसकी शिकायत पुरुष किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। उनमें सबसे बड़ा तर्क यह है कि महिलाओं को सुरक्षा देने के जो कानून बने हैं, उनके दुरुपयोग से पुरुषों को प्रताडिघ्त किया जाता रहा है। मौजूदा कानून धारा 498–ए, अमरीका के जिस कानून से प्रेरित होकर यह कानून बनाया गया था, वह अमरीकी कानून जेंडर निरपेक्ष है और उसमें पुरुषों की प्रताडना के मामले भी देखे जाते हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम लग सके, जो ठीक ही है, परंतु अब कई जगह इन कानूनों का तथाकथित दुरुपयोग भी देखने को मिलता है। यहां तक कि कुछ मामलों में देखा गया है कि फर्जी मामलों के जरिए ब्लैकमेल कर उगाही की कोशिश भी की जाती है। जैसे कि ब्रेकअप हो गया तो पार्टनर ने रेप का केस कर दिया। लंबे समय तक लिव–इन में रहे, लेकिन अनबन हो गई तो रेप का केस कर दिया, पति से अनबन हो गई, बात ज्यादा बिगड़ गई तो उसे घरेलू हिंसा के झूठे केस में फंसा दिया, इत्यादि। इस समय ऐसे मामलों में काफी वृद्धि हो रही है, लेकिन क्या इन घटनाओं के कारण झूठे है ंया नहीं, इसका जवाब तो आत्म दर्शन से भी आसानी से मिल सकता है। महिलाओं द्वारा पुरुषों पर हिंसा आज एक आम समस्या बन गई है। इसमें आर्थिक, शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण के साथ–साथ मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार भी शामिल है, जो किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। पुरुष और महिलाएं भी लिंग आधारित हिंसा के शिकार हैं। भारत जैसे देश में, जो सदियों से पुरुष–प्रधान रहा है, लोगों के लिए यह विश्वास करना कठिन है कि पुरुष भी महिलाओं की तरह घरेलू हिंसा के शिकार हो सकते हैं। इसका एक कारण यह हो सकता है कि भारत में किसी भी कानून में पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा को मान्यता नहीं दी गई है। हालांकि, आम धारणा के विपरीत, महिलाओं द्वारा मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रूप से प्रताडिघ्त होने वाले पुरुषों की संख्या बढ़ रही है। देश में मौजूदा कानूनों को देखते हुए, ऐसा कोई खास कानून नहीं है जो पुरुषों को अंतरंग साथी की हिंसा से बचाता हो। हां, कानून के अलावा, कुछ अन्य कारण भी मौजूद हैं जिनके कारण ऐसे मामले दर्ज नहीं हो पाते हैं, इनमें शामिल हो सकते हैं– सामाजिक धारणा कि पुरुष मजबूत होते हैं और रोना मुश्किल होता है, या यदि उन्हें कानूनी सहायता मिलती है तो यह उनके और उनके लिए असुविधा का कारण बन सकता है। परिवार, और सूची बढ़ती जाती है। ग्रामीण हरियाणा में 21 से 49 वर्ष की आयु के 1000 विवाहित पुरुषों के सर्वेक्षण के अनुसार, 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के दस में से एक पुरुष ने घरेलू हिंसा का अनुभव किया है। शोध ा से पता चलता है कि केवल महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी ऐसी हिंसा के शिकार होते हैं। इस बात से इनकार करने का कोई कारण नहीं है कि महिलाओं को पुरुषों द्वारा अंतरंग साथी हिंसा का शिकार होना पड़ता है। लेकिन पुरुषों को भी इससे बचाने के लिए कोई कानून न होने का कोई उचित आधार नहीं है। हर कोई मानवाधिकार और लैंगिक समानता के अधीन है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 नागरिकों को समान व्यवहार के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है, और अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, लिंग, जाति या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है। भारतीय संविधान कहता है कि सभी नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार है। फिर पुरुष इसका अपवाद कैसे हो सकते हैं? इस क्षेत्र में घरेलू हिंसा को रोकने और कम करने के लिए, लिंग–तटस्थ कानून लागू किए जाने चाहिए और लिंगवादी कानून नहीं बनाए जाने चाहिए। पुरुषों के खिलाफ मानसिक और शारीरिक प्रताडना, न तो अब संवेदनहीन मुद्दा है, न ही इस पर बात करना महिला अधिकारों का किसी प्रकार का अतिक्रमण है।

रूस द्वारा यूक्रेन को बढ़त मिलने से पश्चिमी उन्माद बढ़ा

विनोद

पूर्वी यूक्रेन में अव्दिव्का (युद्ध–पूर्व की आबादी 32,000) का अवर्णनीय शहर इस साल 17 फरवरी को इतिहास की किताबों में दर्ज हो गया, जब रूसी अग्रिम पंक्ति के सैनिकों ने युद्ध के महीनों में सबसे महत्वपूर्ण सफलता में शहर में प्रवेश किया। घिरे हुए यूक्रेनी सैनिक अव्यवस्थित तरीके से पीछे हटते हुए शहर से भाग गए, जिससे उनके सैकड़ों घायल हो गए और अनगिनत लोग भागने में असमर्थ हो गए। अवदीव्का पर रूस के कब्जे से पश्चिमी राजधानियों में सदमे की लहर दौड़ गई और इस प्रचार को झटका लगा कि रूस ध ीरे–धीरे यूक्रेन में युद्ध हार रहा है। मई 2023 में रूसी सेनाओं द्वारा बखमुत शहर पर कब्जा करने के बाद से यह युद्धक्षेत्र की जीत सबसे महत्वपूर्ण थी। पिछले साल के असफल ग्रीष्मकालीन जवाबी हमले और 1,000 किलोमीटर चौड़ी सीमा रेखा पर जारी रूसी दबाव के बाद आने वाली नवीनतम यूक्रेनी वापसी ने सुझाव दिया कि चीजें आगे नहीं बढ़ रही थीं। कीव के लाभ के लिए. विजयी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अवदीवका पर कब्जा करने की सराहना की और यूक्रेन में आगे बढ़ने का वादा किया। इन असफलताओं पर पश्चिमी प्रतिक्रिया, जो रूसी आक्रमण की दूसरी वर्षगांठ (24 फरवरी) से ठीक एक सप्ताह पहले आई थी, उन्मादी के करीब रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन सहित शीर्ष पश्चिमी नेताओं द्वारा श्री पुतिन को एक अत्याचारी, एक युद्ध अपराधी और ष्पागल एसओबीष कहा गया है। वाशिंगटन ने रूस पर 600 नए प्रतिबंध लगाए, जो युद्ध की शुरुआत के बाद से अमेरिका द्वारा लगाए गए 4,000 पहले प्रतिबंधों के शीर्ष पर थे। इसी तरह, यूरोपीय संघ ने उन उत्पादों के निर्यात के लिए कई विदेशी कंपनियों और व्यक्तियों पर नए प्रतिबंध लगाए (फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से यह 13वां प्रतिबंध है) जिनका रूस के लिए सैन्य उपयोग हो सकता है। |कअमतजपेमउमदज अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर का एक सैन्य सहायता पैकेज (अस्थायी रूप से प्रतिनिधि सभा में अटका हुआ) भी पारित कर दिया है। यूरोप ने यूक्रेन के लिए 50 अरब यूरो के चेक पर हस्ताक्षर किए हैं। पश्चिमी बैंकों में जमा रूस की 300 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी संपत्तियों को जब्त करने के बारे में भी कुछ बहस हुई है, एक ऐसा कदम जो गंभीर रूप से कमजोर कर देगा। वैश्विक वित्तीय प्रणाली. यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने यह दावा करके केवल पश्चिमी चिंताओं को हवा दी है कि उनका देश पूरे यूरोप को अपने अधीन करने के श्री पुतिन के दृढ़ संकल्प में पहला कदम है, एक ऐसा आरोप जिसे रूसी राष्ट्रपति ने सख्ती से नकार दिया है। इटली, कनाडा और बेल्जियम के प्रधानमंत्रियों और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष सहित चार शीर्ष पश्चिमी नेता श्री जेलेंस्की के निरंतर युद्ध प्रयासों के साथ एकजुटता की प्रतिज्ञा करने के लिए युद्ध की दूसरी वर्षगांठ पर कीव पहुंचे। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2.25 अरब डॉलर की वित्तीय और सैन्य सहायता देने का वादा करते हुए घोषणा की, ष्हम यूक्रेन के साथ खड़े रहेंगे, चाहे इसके लिए जो भी करना पड़े, जब तक करना पड़े।ष इटली की जियोर्जिया मेलोनी ने यूक्रेन के साथ 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए कहारू ष्मैं आज सभी यूक्रेनी लोगों को संदेश देना चाहती हूं कि वे अकेले नहीं हैं।ष यूक्रेनी और पश्चिमी नेतृत्व द्वारा अपनी एड़ी–चोटी का जोर लगाने और श्री पुतिन की अग्रिम मोर्चों को स्थिर करने और युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने की पेशकश को अस्वीकार करने के साथ, वैश्विक दरार और संबंधित जोखिम केवल बढ़ रहे हैं। फिलहाल, राष्ट्रपति जेलेंस्की को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें अपने लोकप्रिय शीर्ष सैन्य कमांडर को बर्खास्त करना पड़ा है और हाल के दिनों में हथियारों के सौदे में भ्रष्टाचार के बड़े आरोप सामने आए हैं, इन दोनों ने सैन्य मनोबल को कम करने में योगदान दिया है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि युद्ध शुरू होने के बाद से साठ लाख यूक्रेनियन देश छोड़कर भाग गए हैं। पश्चिमी दुष्प्रचार के बावजूद रूसी सेनाएं बैकफुट पर नहीं हैं। वे यूक्रेन के क्षेत्र के लगभग पांचवें हिस्से को नियंत्रित करना जारी रखते हैं, जिसमें प्रमुख क्षेत्रीय शहर डोनेट्स्क भी शामिल है, जिसकी सुरक्षा उत्तर में 15 किमी दूर अवदीवका पर कब्जा करने से मजबूत हुई थी। मॉस्को ने सफलतापूर्वक सैन्य उत्पादन बढ़ाया है और यूक्रेन की तुलना में अधिक तोपखाने के गोले दागने में सक्षम है। यूक्रेनी सैनिक भी थक चुके हैं, जिससे श्री जेलेंस्की को सेना में अतिरिक्त पांच लाख यूक्रेनियनों को भर्ती करने के लिए एक विधेयक लाने के लिए मजबूर होना पड़ा, कुछ लोगों का कहना है कि यह कदम देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को पंगु बना देगा। रूसी अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने की पश्चिम की रणनीति काम नहीं आई है। पश्चिम ने अपनी हाइड्रोकार्बन अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने के लिए रूसी तेल की कीमतों पर अंकुश लगाने सहित कई उपाय शामिल किए थे। ऐसा कुछ नहीं हुआ हैय इसके विपरीत, तेल निर्यात युद्ध–पूर्व स्तर के करीब है और आईएमएफ के अनुसार, 2023 में रूस की जीडीपी में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विडंबना यह है कि ऐसा लगता है कि यूरोप को सबसे बुरी आर्थिक मार झेलनी पड़ी है, क्योंकि वह सस्ते रूसी ऊर्जा निर्यात पर निर्भर था। रूसी ऊर्जा के लिए अपने नल को एकतरफा बंद करने के बाद, यूरोप को ऊर्जा की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है, जिसने इसके उद्योग के बड़े हिस्से को अप्रतिस्पर्धी बना दिया है और कृषि लागत आसमान छू रही है। यूरोप आज कृषि विरोध प्रदर्शनों से स्तब्ध है जबकि आर्थिक विकास गिर गया है। भू–राजनीतिक रूप से भी, मॉस्को ने पश्चिमी ब्लॉक के बाहर कई देशों के साथ सहयोग किया है, जो पश्चिमी उद्देश्यों के प्रति सहानुभूति नहीं रखते हैं।

अमेरिका में देसी लोगों ने धर्मनिरपेक्ष भारत

आदित्य

मैं इसे संयुक्त राज्य अमेरिका से लिख रहा हूं, जहां मैंने हाल ही में एक दिलचस्प एकजुटता बैठक में भाग लिया था, जिसके बारे में मुझे लगा कि मुझे लिखना चाहिए। यह दिलचस्प था क्योंकि इसने दो संघर्षों को संयोजित किया – लोकतांत्रिक भारत में धर्मनिरपेक्षता के लिए और कब्जे वाले फिलिस्तीन में साम्राज्यवाद के खिलाफ। बोस्टन दक्षिण एशियाई गठबंधन द्वारा आयोजित, इसमें दो वक्ता थे। एक थीं हमारी तीस्ता सीतलवाड़, गुजरात में न्याय के संघर्ष की नायिका। दूसरा दक्षिण लेबनान का एक युवक था जिसका नाम सलीम हलाल था। दर्शकों में कुछ दर्जन लोग थे, जिनमें कई देसी लोग भी शामिल थे, और मेरे विचार से यही वह चीज थी जिसने इस सभा को विशेष रूप से दिलचस्प बना दिया था और मैं इसके बारे में बाद में लिखूंगा कि ऐसा क्यों है। दोनों वक्ताओं की बातचीत तथ्यों पर केंद्रित रही। एक स्थान पर राज्य द्वारा क्षमा किए गए सांप्रदायिक अपराधों के बारे में (कुछ लोग इसे इसके द्वारा प्रोत्साहित कहेंगे) और दूसरे स्थान पर मुक्ति के लिए राष्ट्रीय संघर्ष के बारे में। एक सामान्य सूत्र भी था और वह था ऐतिहासिक संशोधनवाद और चीजों का पुनर्लेखन। फिलिस्तीन और ष्न्यू इंडियाष दोनों में यह विचार है कि एक हजार साल पहले या दो हजार साल पहले यहां जमीन पर और इस भूमि पर कुछ और हुआ करता था। और वह विचार और वह धारणा वर्तमान में लोगों और संरचनाओं और स्मारकों के खिलाफ हिंसा को उचित ठहराती है। |कअमतजपेमउमदज दर्शकों में से बहुत से लोग, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, ने खुद को समानताओं पर सिर हिलाते हुए पाया। सुश्री सीतलवाड, जो कुछ दशकों से मित्र रही हैं, उन्होंने सभा को जो कुछ भी बताया वह सटीक और विचारशील था, जिनमें से अधिकांश को यह नहीं पता होगा कि 2002 में और उसके बाद गुजरात में क्या हुआ था। उन्होंने उन 174 व्यक्तियों के बारे में बात की जिन्हें जीवित बचे लोगों और कार्यकर्ताओं के साहस और दृढ़ता के कारण दोषी ठहराया गया था। इनमें से 124 को आजीवन कारावास की सजा दी गई। ये वे दृढ़ विश्वास थे जो अक्सर न्याय के विचार के प्रति राज्य के प्रतिरोध के कारण सामने आते थे। यह समझने के लिए कि किस प्रकार का प्रयास किया गया, केवल इस बात पर विचार करें कि बलात्कारी–हत्यारे के दोषियों को आज भारत में सरकार द्वारा कैसे अपमानित किया जाता है, जो कट्टरता के अलावा किसी अन्य कारण से उन्हें रिहा करना चाहती है। बहुत से लोग शायद अब नहीं जानते होंगे और बहुत से अन्य जो जानते थे वे भूल गए होंगे कि सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमों को गुजरात से बाहर स्थानांतरित कर दिया था, ऐसा कुछ जो मेरी जानकारी के अनुसार उसके बाद या उससे पहले नहीं हुआ है। श्री हलाल ने सीधे और जोश के साथ बात की कि जमीनी हकीकत और उसे कायम रखने के लिए गढ़ी गई कहानी कितनी अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इजराइल में शुरुआती निवासी फिलिस्तीनियों की सहायता के कारण बच गए, जैसे कि अमेरिका में शुरुआती निवासी बच गए थे। फिलिस्तीन में जो कुछ हो रहा था वह कोई धार्मिक संघर्ष नहीं था बल्कि कब्जा करने वाले के खिलाफ था। उन्होंने इस बात को उजागर किया कि उपनिवेशवादी उपनिवेशवाद को षबिना लोगों की भूमि और बिना भूमि वाले लोगों के लिए भूमिष के एक साथ आने का वर्णन करना कितना खोखला था। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संपूर्ण इजराइल–फिलिस्तीन मुद्दा ष्जटिलष होने की बात महज कुछ ऐसी थी जिसका उपयोग एक बहुत ही सरल वास्तविकता को और अधिक जटिल बनाने के लिए किया जा रहा था। कब्जे और उपनिवेशवाद का और एक विशेष एजेंडे के साथ इतिहास का पुनर्लेखन। यह चर्चा बोस्टन दक्षिण एशियाई गठबंधन यूट्यूब पेज पर है, और मैं आप सभी को इसे देखने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। मैंने यह क्यों कहा कि मुझे यह सभा दिलचस्प लगी क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय समूहों को भारत में सरकार का समर्थन करते हुए दिखाया जाना असामान्य नहीं है। विशेष रूप से ऐसे मुद्दों पर जैसे कि सरकार अल्पसंख्यक भारतीयों के लिए क्या करती है और राज्य द्वारा आयोजित कार्यक्रमों (ष्हाउडीष) में। यह विशेष रूप से और दुर्भाग्य से मेरे अपने गुजराती समुदाय के लिए सच है, जिन्हें अक्सर राज्य सांप्रदायिकता की रक्षा में सबसे आगे दिखाया जाता है। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है और कई अन्य भारतीय भी हैं, जो हाल के वर्षों में हमने जो रास्ता अपनाया है उसका विरोध कर रहे हैं। ये वही हैं जिनसे मैं उस दिन जुड़ा था. सभा में मैंने संक्षेप में बताया कि विदेशों में भारतीय क्या कर सकते हैं। इसका मतलब यह था कि भारत में जो कुछ हो रहा है, उससे जुड़ने के लिए उन्हें अपने देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उपयोग करना चाहिए। भारत में 2019 में एक भेदभावपूर्ण नागरिकता कानून पारित किया गया लेकिन अभी तक लागू नहीं किया गया इसका मुख्य कारण इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन था। लेकिन दूसरा कारण यूरोपीय संसद द्वारा इसके विरुद्ध अपनाया गया निंदात्मक रुख था। किसी को आश्चर्य होता है कि ऐसा क्यों था कि दूर–दराज के देशों के सांसद उसमें रुचि रखते थे जिसे हम अपने ष्आंतरिक मामलोंष के रूप में सोच सकते थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि ऐसा संभवतः इसलिए था क्योंकि विदेशों में भारतीय अपने मुद्दे को लेकर कानून उठाने के लिए काफी चिंतित थे।

85 करोड़ युवा रचनात्मक शक्ति के बल पर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं

प्रो. संजय

स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में, लोगों को प्रेरित करने में युवाओं ने प्रभावशाली योगदान दिया है। हमारे युवाओं में असीम प्रतिभा और ऊर्जा है। इस प्रतिभा और ऊर्जा का समुचित विकास और उपयोग किए जाने की जरूरत है। सनातन संस्कृति का यह स्वर्णिम दौर चल रहा है और भारत के प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन संस्कृति के महत्त्वपूर्ण विचारों "वसुधैव कुटुम्बकम" अर्थात् पूरा विश्व एक परिवार है तथा "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः" सभी प्रसन्न एवं सुखी रहे, के इन्हीं मूलमंत्रों के साथ सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में हम सभी के मार्गदर्शक बन रहे हैं और समस्त विश्व को सनातन के विचारों से अवगत करवा रहे हैं। एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में हमारा इतिहास करीब साढ़े सात दशक पुराना है, लेकिन हमारी सभ्यता 5,000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारत के खाते में अनगिनत उपलब्धियां हैं। उनके स्मरण के लिए इससे बेहतर और क्या अवसर हो सकता है कि जब हम अपनी आजादी के अमृतकाल में हैं, तो केवल इस दिशा में ठोस और एकजुट प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। भारत अध्यात्म, ज्ञान, कर्म, सेवा, साधना और करुणा का देश रहा है। भारत, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं की भूमिका का महत्व पहचानने वालों का देश रहा है। ऋषियों, शिक्षकों, कवियों, गुरुओं और वरिष्ठ–जनों ने युवा–शक्ति का यथेष्ट मार्गदर्शन करके उन्हें समाज, देश और दुनिया के कल्याण की ओर सदैव प्रेरित किया है। राष्ट्र–निर्माण के कार्य में युवाओं को प्रेरित करने में३समाज की, मनीषियों और चिंतकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये मनीषी और चिंतक युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरक होते हैं। उनके 'रोल मॉडल' होते हैं। सामान्य तौर पर, ये रोल मॉडल समय–समय पर, देश–काल और परिस्थिति के अनुसार, बदलते रहते हैं। लेकिन कुछ रोल मॉडल कभी नहीं बदलते। ऐसे ही एक कालजयी रोल मॉडल हैं– स्वामी विवेकाननंद। स्वामी विवेकानंद के विचार दुनियाभर के युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं। उन्हें युवाओं की ऊर्जा पर बहुत भरोसा था। वे कहते थे कि दृ 'युवा वो होता है जो बिना अतीत की चिंता किए अपने भविष्य के लक्ष्यों की दिशा में काम करता है'। स्वामी विवेकानंद भारत के युवा को अपने गौरवशाली अतीत और वैभवशाली भविष्य की एक मजबूत कड़ी के रूप में देखते थे। आप सभी को आज बस अपने अतीत को जानना है। क्योंकि अतीत को जानकर, उसे समझकर, आपको भविष्य के लक्ष्य तय करने हैं। अपने लिए, समाज के लिए, देश के लिए जो कुछ भी उत्तम और कल्याणकारी है, उसे प्राप्त करने के लिए काम करना है। आज का भारत, युवा शक्ति से भरपूर है। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या यानी लगभग 85 करोड़ युवा अपनी रचनात्मक शक्ति के बल पर हमारे देश को प्रगति की, मानव सभ्यता की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो आज से लगभग 9 वर्ष पहले शुरू किए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता में युवाओं का अभूतपूर्व योगदान रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में, लोगों को प्रेरित करने में युवाओं ने प्रभावशाली योगदान दिया है। हमारे युवाओं में असीम प्रतिभा और ऊर्जा है। इस प्रतिभा और ऊर्जा का समुचित विकास और उपयोग किए जाने की जरूरत है। इस दिशा में प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं और इन प्रयासों के परिणाम भी सामने आने लगे हैं। ज्ञान–विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर, खेल के मैदान तक भारत के बेटे–बेटियां विश्व समुदाय पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। देश के कोने–कोने से नई–नई खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। खेल–कूद से हमारे अंदर टीम भावना का संचार होता है। सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता के लिए टीम भावना जगाने वाले ऐसे प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है। आज आज भारत दुनिया में यूनिकॉर्न पैदा करने वाला, एक बिलियन डॉलर से ज्यादा की नई कंपनी बनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना है, तो इसके पीछे किसकी ताकत है? इन सब सवालों का एक ही जवाब है, युवा। युवाओं की मेहनत और समर्पण के दम पर ही भारत आज नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। आज से 10 साल पहले हमारे देश में औसतन चार हजार पेटेंट प्रतिवर्ष होते थे। अब इसकी संख्या बढ़कर सालाना 15 हजार पेटेंट से ज्यादा हो गई है।

चुनाव के बाद पाकिस्तान मुश्किल में, आगे अनिश्चितता

ललित

पाकिस्तान में प्रांतीय विध ानसभाओं और नेशनल असेंबली के लिए 8 फरवरी को हुए आम चुनाव में एक अप्रत्याशित नतीजे के बावजूद आश्चर्यजनक नतीजे आए।जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने न केवल अपने दो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल –एन) को चुनौती दी है। बल्कि सेना भी. सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के साथ उनकी कटुता प्रध ानमंत्री के रूप में उनके दिनों से है, जब उन्होंने तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर अहमद बाजवा से जनरल मुनीर को इंटर–सर्विसेज के महानिदेशक के प्रतिष्ठित पद से बर्खास्त करवा दिया था। इंटेलिजेंस (आईएसआई) 2019 में। कथित तौर पर, श्री खान आईएसआई की एक रिपोर्ट से परेशान थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी नवीनतम पत्नी बुशरा बीबी भ्रष्टाचार में लिप्त थीं। अब श्री खान, सेना के सहयोगी और प्रधान मंत्री पद के लिए नामांकित व्यक्ति होने के बजाय, उनके भड़ौआ हैं। चुनाव यह देखने के लिए महत्वपूर्ण थे कि पाकिस्तानी सेना इस्लामी कफन में लिपटे, अपनी स्वतंत्रता का दावा करने वाले एक लोकलुभावन–राष्ट्रवादी नेता का मुकाबला कैसे करती है। अतीत में, सेना अपने नियंत्रण से बाहर होने वाले प्रधानमंत्रियों को भ्रष्टाचार या आपराधिकता के कारण फाँसी या जेल भेजने और अंततः निर्वासित करने से पहले उनकी लोकप्रियता खोने देती थी। इमरान खान पर लगे आरोप ज्यादातर छोटे–मोटे थे जैसे कि प्रधानमंत्री के तौर पर मिले तोहफों को बेचना। खाड़ी देशों के शासकों द्वारा दौरे पर आए गणमान्य व्यक्तियों को महंगे उपहार देना कोई नई बात नहीं है। इससे भी अधिक अविश्वसनीय बात यह है कि इमरान खान ने तलाक के बाद इस्लामी कानून में निषिद्ध अवधि ा के भीतर बुशरा बीबी से शादी की। उसने दावा किया कि उसके पूर्व पति ने श्री खान से शादी करने से एक साल पहले, उसकी पिछली शादी को खत्म करने के लिए मौखिक तीन तलाक पद्धति का इस्तेमाल किया था। उसके पूर्व पति ने अब बाद में तलाक का दावा किया। निश्चित रूप से, उन्हें बुशरा बीबी के 2018 के पुनर्विवाह के बाद पहले ही आपत्ति हो सकती थी। पाकिस्तान, जो 14 अगस्त, 2023 से अंतरिम सरकार के अधीन है, ने पीटीआई को खत्म करने, उसके चुनाव चिन्ह (जो उचित रूप से क्रिकेट का बल्ला था) को छीनने और उसके सदस्यों और सहानुभूति रखने वालों को परेशान करने का काम किया। इसलिए, पीटीआई उम्मीदवारों को निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ना पड़ा। पाकिस्तान में निरक्षरता के स्तर को देखते हुए, यह अकल्पनीय था कि मतदाताओं ने यह कैसे निर्धारित किया कि कौन सा निर्दलीय उम्मीदवार इमरान खान के साथ है। नेशनल असेंबली में 266 सामान्य सीटों के लिए मतदान में इन साजिशों के बावजूद, पीटीआई समर्थक निर्दलीय उम्मीदवारों ने 93 सीटें जीतीं, पीएमएल (एन) के लिए 75 और पीपीपी के 54 से आगे। नतीजतन, पीटीआई के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी अपनी सीटें जमा होने के बाद भी बहुमत से पीछे रह गए। पीटीआई ने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए तुरंत परिणामों पर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि असल में उन्होंने 125 सीटों पर बढ़त बना ली है. यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इन आरोपों की उचित जांच की मांग की। रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा ने गुहार लगाते हुए 17 फरवरी को इस्तीफा दे दिया। चुनाव धोखाधड़ी के लिए विदेश मंत्रालय दोषी। उन्होंने दावा किया कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में 13 में से 11 सीटों पर पीएमएल (एन) की जीत में कामयाब रहे। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने उनके दावे को तुरंत खारिज कर दिया और तर्क दिया कि चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। दूसरों ने बताया कि उनके अधीनस्थ सीधे तौर पर शामिल थे। आधिकारिक गुस्से का सामना करते हुए, उन्होंने पांच दिन बाद अपने आरोप वापस ले लिए। प्रमुख पश्चिमी समाचार पत्र चुनाव में हेरफेर की निंदा करने में एकमत थे। हालाँकि, राष्ट्रमंडल पर्यवेक्षक समूह ने चुनाव के संचालन को हरी झंडी दे दी। पीटीआई ने शुरू में राष्ट्रीय और कुछ प्रांतीय सरकारें बनाने के अधिकार का दावा किया था। लेकिन पीपीपी और पीएमएल (एन) ने तुरंत बैठक कर 13 फरवरी को अपनी गठबंधन सरकार की घोषणा की। जब उन्होंने पहली बार साझा प्रधान मंत्री पद पर चर्चा की तो कुछ हिचकियाँ उत्पन्न हुईं। पीपीपी के बिलावल भुट्टो जरदारी और पीएमएल (एन) की मरियम नवाज शरीफ अपनी–अपनी पार्टियों की विरासत के उत्तराधिकारी हैं और इस प्रकार शीर्ष पद के इच्छुक हैं। पीपीपी, पीएमएल (एन) की संख्या से पिछड़ जाने के कारण, शायद ही प्रधान मंत्री पद का दावा कर सके। दूसरी ओर, नवाज शरीफ अपनी बेटी को अपने भाई शहबाज शरीफ के दावे से अलग नहीं कर सकते थे, जिससे उन्हें पाकिस्तान के अगले प्रधान मंत्री के रूप में उनका समर्थन करने के लिए मजबूर होना पड़े। इसके साथ ही वे बिलावल के पिता आसिफ अली जरदारी को अगला राष्ट्रपति बनाने पर सहमत हुए, जिस पद पर वह दिसंबर 2007 में अपनी पत्नी बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद 2008 से 2013 तक रहे थे। इसके अलावा, मरियम को पंजाब की मुख्यमंत्री बनना है, जो शायद राष्ट्रीय गठबंधन के प्रमुख की तुलना में अधिक शक्तिशाली पद है। शरीफ परिवार ने शायद यह गणना की थी कि मरियम इस्लामाबाद में शीर्ष पद के लिए अपनी साख चमकाने में सक्षम हो सकती हैं, अगर वह अपने चाचा शहबाज की तरह पंजाब को चलाने में सफल होती हैं। इससे बिलावल भटक गए। वह विदेश मंत्री के रूप में अपनी पिछली स्थिति को फिर से शुरू कर सकते हैं, एक ऐसा पद जिसका उपयोग उनके दादा प्रभावी रूप से तब करते थे जब वह उप प्रधान मंत्री के रूप में नामित होने की इच्छा रखते थे। अब जिस सवाल पर बहस हो रही है वह यह है कि क्या प्रतिद्वंद्वी महत्वाकांक्षाओं का यह समायोजन पूरे कार्यकाल तक चल सकता है, क्योंकि कड़वे इमरान खान नेशनल असेंबली के भीतर और बाहर अपनी सेनाओं को नई सरकार की वैधता पर सवाल उठाते रहने के लिए उकसा रहे हैं।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने डीएम को किन्नर समाज के सम्मान के लिए महिला पुरुष की तरह शौचालय का दिया आवेदन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार ने ट्रांसजेंडर किन्नर समुदाय के लिए जौनपुर जिले में सार्वजनिक सुलभ शौचालय की व्यवस्था एवं किन्नर समुदाय के हितकारी योजना का लाभ लाने हेतु आवेदन दिया।

उर्वशी सिंह ने कहा कि जैसा कि ज्ञात हो सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में ट्रांसजेंडर को थर्ड जेंडर के रूप में मान्यता दी थी, साथ ही केंद्र व राज्यों को तीसरे समुदाय किन्नर समाज के लिए अन्य सुविधाओं के साथ शौचालय सुलभ शौचालय भी बनाने का निर्देश दिया था ताकि समाज में ट्रांसजेंडर को बराबरी का हक मिले!समाज में आज भी थर्ड जेंडर समाज के लोगो को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है खासकर टॉयलेट को लेकर सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है,! इसी क्रम में जिला जौनपुर में किन्नर समुदाय की संख्या अधिक है जिसके कारण आम शौचालय में जाने पर उनको हीन भावना से देखा जाता है! जौनपुर शहर की स्वच्छता का भी ध्यान रखते हुए तीसरे समुदाय ट्रांसजेंडर किन्नर समाज के लिए सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था करवाने की का आग्रह किया ! इसके साथ–साथ ट्रांसजेंडर हेतु कल्याणकारी योजनाओं का भी विशेष रूप से क्रियान्वयन किया जाए जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश में तमाम प्रमाण पत्रों के तरह ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट भी बनाया जा रहा है, जिसके बाद किन्नर समाज सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। शिक्षा हो चिकित्सा हो जहां भी वह अपना यह सर्टिफिकेट दिखाएंगे वहां उनको उनसे संबंधित हर योजना का लाभ आसानी से मिल जाएगा। इसी क्रम में बिट्टू किन्नर अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट गुलाबी समिति अध्यक्ष ने कहा कि किन्नर समुदाय के बच्चे या परिवार के अन्य सदस्य रोजगार करना चाहते हैं तो उन्हें प्रशिक्षित कर अनुदान देकर आत्मनिर्भर बनाने की सरकार की योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन दिया! अतुल वेलफेयर ट्रस्ट जिसके लिए आजीवन आपका आभारी रहेगा!मुख्य रूप से सचिव मीरा अग्रहरी, दीपक श्रीवास्तव नीतू किन्नर, अंकित गुप्ता, पिन्टू गिरी, अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में निःशुल्क नेत्र शिविर तीन मार्च को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में दिशा ऑख अस्पताल की तरफ से निःशुल्क नेत्र जॉच शिविर का आयोजन तीन मार्च रविवार को किया गया है। यह शिविर 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। विश्वविद्यालय कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के समन्वयक प्रो. राजकुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी अपने नेत्र का निःशुल्क परीक्षण करा सकते हैं। साथ ही ऑख से संबंधित बीमारियों के बारे में मुफ्त सलाह भी ले सकते हैं। यह शिविर विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों और उनके परिवार के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। जो भी परिवार आंख संबंधी समस्या से परेशान हो वह अपना परीक्षण कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को आकर करा सकता है।

डा0 राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर कायस्थ महासभा ने दिया श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर देश की प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव के आवास पर श्रद्धांजलि सभा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद जी का कायस्थ जाति के लिये हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहे वह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह संविधान आज भी चल रहा है वो एक महान व्यक्तित्व के धनी थे जिनके कारण आज भी कायस्थों का सर पूरे विश्व में ऊंचा है। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी उन्हें नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं इस अवसर पर महासभा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन महासचिव प्रवीण शंकर श्रीवास्तव ने किया।इस अवसर पर दीपक श्रीवास्तव पंकज श्री हरिश्चंद्र श्री अनुराग श्री नलनीश श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव शरद श्रीवास्तव,जेपी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने आयोजित की टेक्नोक्रेट मीट

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के सौजन्य से शहर के एक लॉन में एक टेक्नोक्रेट मीट का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के सभी आर्किटेक्ट और इंजीनियर्स ने हिस्सा लिया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के रीजनल मैनेजर अनुराग भट्ट व कंपनी के जोनल टेक्निकल हेड अनुराग शर्मा ने कंपनी व कंपनी के उत्पाद प्रिज्म चौंपियन, चौंपियन प्लस व प्रिज्म ऑल वेदर की खूबियां बताईं। साथ में यह भी बताया कि प्रिज्म ऑल वेदर से जो भी ढलाई या प्लास्टर किया जाता है, उसमें नमी नहीं आती है, सीलन नहीं आती है और जंग भी नहीं लगती है। बताया, जनवरी से बसंत लाल सतेन्द्र कुमार की नयी फर्म टाटा एजेंसी ने प्रिज्म का सेल्स प्रमोटर व C - F लिया और मात्र 2 महीनों में कंपनी के सहयोग से 178 : की ग्रोथ दी। मीटिंग में आये हुए सभी आर्किटेक्ट के लिए खूबसूरत गजल संध्या का भी आयोजन किया गया। अंत में C - F बसन्त लाल गुप्ता, सौरभ गुप्ता व कंपनी के अधिकारी अनुराग

शर्मा द्वारा आभार व्यक्त किया गया व सभी को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया। मीटिंग का संचालन सेल्स प्रमोटर सतेन्द्र गुप्ता ने किया। मीटिंग में प्रमुख रूप से आर्किटेक्ट इसरार, अवधेश श्रीवास्तव, देवव्रत, भानु प्रताप, मनोज श्रीवास्तव, नवनीश गुप्ता, फैजान सहित शहर के सभी इंजीनियर व आर्किटेक्ट मौजूद रहे व प्रिज्म कंपनी से ब्रांच मैनेजर बद्रीनाथ पांडेय, आशीष व टेक्निकल से सतेन्द्र मौजूद रहे।

'पीएम किसान सम्मान निधि के अवसर पर किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

सुल्तानपुर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बरासिन, द्वितीय पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

की 16 वीं किस्त अवमुक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किसानों को दिखाया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि योगेन्द्र प्रताप सिंह (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि) के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महावीर श्रीवास्तव (मंडल अध्यक्ष) एवं रमेश तिवारी (पूर्व जिला महामंत्री किसान मोर्चा) भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 16 वीं किस्त के अंतर्गत इक्कीस हजार करोड से अधिक की राशि को 9 करोड़ किसान परिवारों के खाते में सीधा अंतरण की। इस अवसर पर जायद गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डाक्टर दिनेश यादव ने जिले से आये हुए कृषकों एवं महिला कृषकों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के बारे में विस्तार पूर्वक अवगत कराया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए केंद्र के पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉक्टर गौरव पाण्डेय द्वारा वर्तमान मौसम में पशुपालन सम्बन्धी विषयों पर चर्चा करते हुए गर्मियों में दुधारू पशुओं के प्रबंधन पर प्रकाश डाला गया। केंद्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉक्टर हिमांशु शेखर सिंह ने वर्तमान समय की खड़ी फसलों में लगने वाली कीट–बीमारियों की पहचान एवं उनकी रोकथाम संबंधित जानकारी साझा की। इसी क्रम में केंद्र के बीज तकनीकी वैज्ञानिक डॉक्टर कोटेशी लमाणी द्वारा कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार, मिट्टी परीक्षण के महत्व एवं मृदा परीक्षण आधारित उर्वरकों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही कुड़वार ब्लाक के बीटीएम बृजेश यादव एवं बीज गोदाम प्रभारी अच्छय राम जी ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक बताया।

लोनी चीनी मिल में सुरक्षा सप्ताह की हुई शुरुआत

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) डीसीएम श्रीराम लि.की लोनी चीनी मिल में आज सुरक्षा सप्ताह की शुरुआत पूरे जोशो खरोश के साथ की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिट प्रमुख राजा श्रीवास्तव द्वारा ध्वजारोहण के साथ सुरक्षा शपथ दिलाकर किया गया। ध्वजारोहण के बाद ध्वज इस अंदाज में लहराया कि मानो कार्यबल के बीच सुरक्षा और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का संदेश प्रसारित कर रहा हो। ईएचएस हेड कपिल गुप्ता द्वारा सुरक्षा महत्व और सुरक्षा सप्ताह के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूप रेखा बताई गई। कहा संगठन के सभी स्तरों पर सुरक्षा जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आकर्षक गतिविधियों और और उसे आगे तक ले जाने की पहल की श्रृंखला देखी जाएगी। इंटरैक्टिव कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों से लेकर सुरक्षा प्रदर्शनों और जागरूकता अभियानों तक कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्यों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए विविध श्रृंखला योजना बनाई गई है। यूनिट हेड राजा श्रीवास्तव ने विचार प्रकट कर कहा हमें अपने कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए यूनिट में सुरक्षा सप्ताह शुरू करते हुए खुशी हो रही है। सुरक्षा और ईएसजी हमारी संगठनात्मक संस्कृति में अंतर्निहित एक मुख्य मूल्य है जो सुरक्षित वातावरण को बनाए रखने में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को याद दिलाता है। कहा डीसीएम ग्रुप सुरक्षा उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है और सुरक्षा सप्ताह इस प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है जिससे सुरक्षा प्रथाओं और मानकों में निरंतर सुधार होता है। इस मौके पर अखिलेश गुप्ता, बीपी शर्मा, अनिल सिंह समेत अन्य कई मिल अधिकारी भी मौजूद रहे।

आरओ/एआरओ परीक्षा पर एक हफ्ते में निर्णय संभावित

प्रयागराज, संवाददाता। समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के साथ ही शासन भी अपने स्तर से जांच करा रहा है। शासन ने 27 फरवरी तक अभ्यर्थियों से पेपर लीक से जुड़े साक्ष्य मांगे थे। यह मियाद मंगलवार को पूरी हो गई। परीक्षा को लेकर एक हफ्ते में निर्णय लिया सकता है। दूसरी ओर, आयोग ने अभ्यर्थियों से दो मार्च तक साक्ष्य मांगे हैं। साथ ही आयोग की तीन सदस्यीय आंतरिक कमेटी अलग से मामले की जांच कर रही है। आयोग ने शासन को एसटीएफ जांच की संस्तुति भी भेजी थी। आयोग की आंतरिक जांच शुरू ही की थी, इसी बीच शासन ने मामले को अपने हाथ में ले लिया और अलग से भी इसकी जांच शुरू करा दी। 11 फरवरी को हुई आरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। आयोग की किसी भी परीक्षा के लिए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आए और परीक्षा में सात लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। प्रारंभिक परीक्षा के दौरान ही पेपर लीक विवाद सामने आने के बाद परीक्षा में शामिल ये सात लाख अभ्यर्थी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वहीं, पिछले तीन वर्षों में अभ्यर्थियों के बीच अपनी छवि तेजी से सुधारने वाले आयोग के सामने अब इसे बनाए रखने की चुनौती है।

कई प्रश्नों के सही मिले हैं उत्तर

प्रदेश की सबसे विश्वसनीय भर्ती संस्था की परीक्षा के दौरान पेपर लीक विवाद सामने आने के बाद शासन को भी इस मामले में सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। सूत्रों का कहना है कि वायरल हुए प्रश्नपत्र के वैकल्पिक उत्तरों में भले ही सभी प्रश्नों के उत्तर सही न रहे हों, लेकिन काफी संख्या में उत्तर सही भी मिले हैं। ऐसे में परीक्षा से पहले पेपर वायरल होने के आरोपों को पूरी तरह से खारिज भी नहीं किया जा सकता है। अभ्यर्थी यह सवाल भी उठा रहे हैं कि जब पेपर वायरल के मामले में पुलिस भर्ती परीक्षा निरस्त किए जाने का निर्णय लेने में देर नहीं हुई तो आरओ/एआरओ परीक्षा पर निर्णय लेने में देर क्यों रही है। जबकि, दोनों ही परीक्षा में पेपर वायरल होने की घटनाएं लगभग एक जैसी हैं। अभ्यर्थी परीक्षा निरस्त कराने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। ऐसे में आयोग के साथ शासन पर भी जांच जल्द पूरी करने का दबाव है। एक हफ्ते परीक्षा पर बड़ा निर्णय लिया जा सकता है।

असिस्टेंट प्रोफेसर पद के दो चयनितों का अभ्यर्थन निरस्त

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अभिलेख प्रस्तुत न करने पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के दो चयनितों का अभ्यर्थी निरस्त कर दिया है। साथ ही रिक्त हुए पदों पर दो नए अभ्यर्थियों के चयन की संस्तुति की गई है। आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर डेंटिस्ट्री के तीन पदों पर सीधी भर्ती का परिणाम 12 अप्रैल 2023 को घोषित किया था। अभिलेख प्रस्तुत न करने के कारण आयोग ने चयनित अभ्यर्थी राजीव पाल का चयन निरस्त कर दिया गया है और रिक्त हुए पद पर निधि गुप्ता के चयन की संस्तुति की है। वहीं,असिस्टेंट प्रोफेसर जनरल सर्जरी के 11 पदों का भी चयन परिणाम 12 अप्रैल 2023 को घोषित किया गया था। अभिलेख प्रस्तुत न करने पर आयोग ने कृष्ण मुरारी का चयन निरस्त कर दिया है और एक पद रिक्त हो जाने के कारण अभिषेक गुप्ता का चयन किया गया है।

गर्भवती किशोरी की दम घुटने से हुई थी मौत

वाराणसी, संवाददाता। लखनऊ–बनारस इंटरसिटी ट्रेन के जनरल कोच में टॉयलेट के पास जूट के बोरे में जिस किशोरी का हाथ–पैर बंधा शव मिला था, वह गर्भवती थी। गुरुवार को किशोरी के शव का तीन डॉक्टरों के पैनल ने वीडियो कैमरे के सामने दो घंटे में पोस्टमार्टम किया। डॉक्टरों के अनुसार किशोरी चार से छह माह की गर्भवती थी। उसकी मौत गत 19 फरवरी की रात दम घुटने से हुई थी। उसके चेहरे को प्लास्टिक से इस तरह से कसा गया था कि वह सांस नहीं ले पाई। शव की स्थिति ठीक नहीं थी। जांच के लिए बिसरा सुरक्षित रखा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कपसेठी थाना क्षेत्र के भिटकुरी गांव की रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा सेवापुरी स्थित एक इंटर कॉलेज में 11वीं में पढ़ती थी। छात्रा के पिता के अनुसार, गत 19 फरवरी सुबह 11 बजे उनकी बेटी एक सहेली के पास से किताब लाने की बात कहकर घर से निकली थी। काफी देर तक जब घर नहीं लौटी तो खोजबीन शुरू की गई, लेकिन किशोरी का कोई पता नहीं लगा। 20 फरवरी की रात लखनऊ–बनारस इंटरसिटी ट्रेन बनारस स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंची। सफाई कर्मी ट्रेन के जनरल कोच में गए तो दो टॉयलेट के बीचोबीच उन्हें बोरे में हाथ–पैर बंधा शव मिला। 21 फरवरी की देर शाम शव की पहचान हुई और इसके साथ ही पिता की तहरीर पर कपसेठी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

सर्किट हाउस के सामने शव रख कर किया प्रदर्शन

पोस्टमार्टम के बाद किशोरी का शव सर्किट हाउस के पास रखकर परिजन और राष्ट्रीय उदय पार्टी के नेता व कार्यकर्ता प्रदर्शन करने लगे। उनका कहना था कि किशोरी के गायब होने की एफआईआर दर्ज करने में देरी की गई। उनकी बेटी की हत्या की गई है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाए। सूचना पाकर कचहरी चौकी इंचार्ज सौरभ पांडेय मौके पर पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया और ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर रवाना हो गए।

सीसी कैमरे खराब होने से पुलिस को नहीं मिली मदद

किशोरी के अपहरण और उसकी हत्या का गुत्थी सुलझाने में पुलिस को भिटकुरी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा और सेवापुरी रेलवे स्टेशन पर लगे सीसी कैमरों से कोई मदद नहीं मिली। कपसेठी थाने की पुलिस के अनुसार दोनों जगह के सीसी कैमरों में तकनीकी खराबी है। पुलिस ने आशंका जताई है कि इंटरसिटी ट्रेन में किशोरी का शव सेवापुरी क्षेत्र में ही रखा गया था। वहीं, परिजनों ने पुलिस को बताया था कि किशोरी 19 फरवरी को गोसाईपुर बेसहूपुर गांव में अपने सहेली के यहां जाने की बात कहकर निकली थी। पुलिस की जांच में यह बात गलत निकली। घटना के खुलासे के लिए पुलिस सर्विलांस और सीसी फुटेज के साथ ही ग्रामीणों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

पढ़ाई–खेलकूद में अच्छी थी, नहीं आती थी स्कूल

स्कूल की प्रिंसिपल ने बताया कि वह पढ़ाई और खेलकूद में अच्छी थी। दौड़ में किशोरी को कई पुरस्कार भी मिले थे। इधर लंबे समय से नियमित स्कूल नहीं आती थी। किशोरी के टेस्ट वगैरह के लिए भी उसके परिजनों को फोन कर बताना पड़ता था। किशोरी की मौत से उसके स्कूल के शिक्षिक–शिक्षिकाएं दुखी दिखे।

माफिया अतीक अहमद की सात करोड़ की संपत्ति मिली

प्रयागराज, संवाददाता। कमिश्नरेट पुलिस ने माफिया अतीक अहमद की सात करोड़ की एक और बेनामी संपत्ति खोज निकाली है। लगभग 500 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली बेशकीमती भूमि करेली के जीटीबी नगर में है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत इसे कुर्क करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। खास बात यह है कि पूर्व में खोजी गई संपत्तियों की तरह अतीक ने इसे किसी और नहीं बल्कि अपने ही नाम पर जबरन लिखाया था। 20 अप्रैल 2006 में इस जमीन का बैनामा उसने अपने हक में कराया था। डीसीपी नगर दीपक भूकर के नेतृत्व में कमिश्नरेट पुलिस की एक टीम लगातार माफिया की अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाने में जुटी है।

डरा–धमकाकर कराया था बैनामा

सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जब इस संपत्ति के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि अतीक ने यह जमीन मंसूर आलम पुत्र नईम उल्ला निवासी जीटीबी नगर से खरीदी थी। यह जमीन आलम सहकारी आवास समिति की थी। तब मंसूर आलम इस समिति के सचिव थे। पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि यह आवासीय समिति थी। अतीक को जब इसके बारे में मालूम हुआ तो उसने कहा कि पहले 500 वर्ग गज जमीन उसके नाम की जाए, वरना वह समिति को किसी तरह का काम नहीं करने देगा। साथ ही उसकी बात न मानने पर धमकाया। दहशत में आकर उन्होंने जमीन का बैनामा कर दिया।

सरकारी मालियत 23.76 लाख, विक्रय मूल्य 14.85 लाख

इस संपत्ति के बारे में यह भी पता चला है कि बैनामे में जो विक्रय मूल्य था, वह तत्कालीन सरकारी मालियत से कम था। इसके विक्रय पत्र में कुल सरकारी मालियत 23.76 लाख दर्शाई गई, जबकि विक्रय मूल्य 14.85 लाख अंकित है। यह संपत्ति अपराध से अर्जित की गई है। इसे गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत कुर्क करने के संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फर्जी आईएएस और मंत्री का पीएस बताकर दाखिले का दबाव डाल रही महिला गिरफ्तार

प्रयागराज, संवाददाता। फर्जी आईएएस और कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की निजी सचिव बताकर सेंट जोसेफ स्कूल में दाखिला कराने के लिए स्कूल प्रबंधन, पुलिस अफसरों व थानेदार पर दबाव और रौब दिखाने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया है। जांच में पता लगा कि ट्यूशन पढ़ाने वाली महिला ने एक लाख रुपये में एक बच्चे के दाखिला कराने का ठेका ले रखा था। पुलिस के मुताबिक, एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय व थाना प्रभारी सिविल लाइंस रामाश्रय यादव के सीयूजी नंबर पर एक महिला ने फोन किया। खुद को आईएएस निधि पांडेय और मंत्री आशीष पटेल का निजी सचिव बताते हुए उसने एक बच्चे का सेंट जोसेफ स्कूल एंड कॉलेज में दाखिला कराने के लिए कहा। उसने बच्चे का ब्योरा ह्वाट्सएप पर भेजा। बाद में, आला अफसरों को फोन व मैसेज भी किए। महिला के अंदाज और लगातार दबाव डालने से पुलिस को शक हुआ। उसके बारे में हनुमान मंदिर चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह ने जांच की तो पता चला कि महिला डॉ. नैना सैमुअल पुथराना वसंत बिहार, ड्रमंड रोड थाना सिविल लाइंस (प्रयागराज) की रहने वाली है। बुलाकर पूछताछ की गई तो सारी पोल खुल गई। पुलिस के मुताबिक, पता चला कि उसने जगमल हाता राजरूपपुर निवासी एक व्यक्ति से एक लाख रुपये में दाखिला कराने का वादा किया था।

'स्मार्टफोन पाकर खिले छात्र/छात्राओं के चेहरे'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–हरदोई' तहसील शाहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आगमपुर स्थित डॉ ए बी सिंह कालेज ऑफ फार्मेसी स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय में बुधवार को एसडीएम (न्यायिक) सण्डीला की अध्यक्षता में स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश सरकार की छात्रों के प्रति महत्वाकांक्षी योजना के तहत उक्त कालेज में बीए,बीएससी, बीएससी कृषि चतुर्थ एवं छठे सेमेस्टर एवं बीएड के चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त छात्रध्छात्राओं को पिछले सेमेस्टर का प्रवेश पत्र एवं आधार कार्ड लेकर पहुंचे सभी छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किये गये। स्मार्टफोन पाकर छात्र/छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान कालेज के प्रबंधक डॉ ए0बी0 सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकारें शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही हैं। सरकार का सपना है कि स्मार्टफोन से छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ –साथ अध्ययन को सुगम बनाने का है क्योंकि देश का भविष्य छात्रों के हाँथ में है। फोन वितरित करते हुए एसडीएम नारायण सिंह ने कहा कि छात्र स्मार्टफोन का दुरुपयोग न करें।बल्कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल पढ़ाई हेतु उपयोग करने की अपील की साथ ही उन्होंने कहा कि छात्र ही देश का भविष्य हैं आप में से ही कोई आईएएस, आईपीएस बनकर देश की सेवा करेगा। सभी छात्र मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता –पिता,गुरु के अलावा क्षेत्र का नाम रोशन करें। इस मौके पर कालेज स्टॉफ के अलावा भारी संख्या में छात्र/छात्रायें मौजूद रहे।

यातायात पुलिस कर्मी ने लगाई फांसी

अयोध्या। गुरुवार को पुलिस महकमे में उस समय हड़कंप मच गया जब अभी दो महीने पहले यातायात पुलिस विभाग में तैनात पुलिस कर्मी की मौत फांसी लगाने के चलते हो गई। मौके से मृतक सिपाही अभय यादव निवासी कानपुर के पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें रुपयों के लेन–देन को लेकर तीन लोगों का नाम भी लिखा था।जिन लोगों का सुसाइड नोट में नाम अंकित है,वे भी मृतक यातायात सिपाही के पास के ही पनकी कानपुर के बताए जा रहे हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि मृतक यातायात पुलिस कर्मी अभय यादव की तैनाती अभी ढाई महीने से यातायात विभाग में हुई थी। मौके से मिले सोसाइड नोट देखने से प्रथम दृष्टया पुलिस इस मामले को आत्महत्या मान रही है।फिलहाल पुलिस तहरीर के आधार पर आगे भी कार्यवाही करेगी। बताते चलें कि मृतक यातायात सिपाही अभय यादव कोतवाली नगर के खोजनपुर कॉलोनी में किराए के मकान पर रह रहा था।

चहुंमुखी विकास करना नवागत अयोध्या विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष की प्राथमिकता

रामलला का दर्शन कर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष के रूप मे संभाला पदभार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शासन के मंशानुरुप कार्य करना व राम नगरी का चहुंमुखी विकास करना नवागत अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पाण्डेय ने अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताई।एक मुलाकात में प्रयागराज जिले के मूल निवासी वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि अयोध्या धाम, दर्शन नगर, गुप्तारघाट, अयोध्या नगर सहित अयोध्या विकास प्राधिकरण के परिधि में आने वाले शासन के मंशानुरुप चिन्हित किए गए पर्यटक स्थलों,मंदिरों, सरोवरों,राम पथ, धर्म पथ, भक्ति पथ के साथ–साथ चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के अलावा अन्य प्रमुख मार्गों का सौन्दर्यीकरण कराया जाएगा। इसके अलावा कालोनियों में पार्कों को भी चिन्हित कर उसका जीर्णोद्धार कराया जाएगा। बताते चलें कि इससे पहले वे चित्रकूट में प्रशिक्षण पाने के बाद प्रतापगढ़ से सहित दो तीन जिलों में बतौर मुख्य विकास अधिकारी के रुप में तैनात रहे। उसके बाद उनकी तैनाती विशेष सचिव पर्यटन विभाग लखनऊ, प्रबंध निदेशक राज्य प्रबंध विकास पर्यटन विभाग में रही।बताते चलें कि उन्होंने अयोध्या विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष के कार्यभार ग्रहण करने से पहले रामलला, हनुमान गढ़ी व मंदिरों पर जाकर दर्शन पूजन किया।बाद में कमिश्नर गौरव दयाल से मुलाकात उन्होंने अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा अयोध्या में चल रहे समस्त विकास कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी दिये। वही अपने कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों से

मुलाकात कर बताया कि हम सभी को शासन के मंशानुरूप कार्य करना कार्य करना प्रमुख लक्ष्य है। इस मौके पर अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चल रहे महत्वपूर्ण कार्यों को तत्परता से किये जाने के निर्देश दिये गये।इस मौके पर अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र कुमार सिंह के अलावा अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

एस.एम.एस. में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस –2024 पर विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी पर व्याख्यान'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिनांक 28 फरवरी 2024 को जब पूरा भारत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहा है जो सर सी.वी. रमन को 1930 में रमन इफेक्ट पर नोबल अवार्ड प्राप्त होने के उपलक्ष में वर्ष 1986 से लागू किया गया। इसी क्रम में, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस ने विज्ञान भारती के साथ मिलकर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक सभा आयोजित किया द्य मुख्यवक्ता डॉ. भरत राज सिँह, महानिदेशक ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कें अवसर पर विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी पर व्याख्यान एक सारगर्भित व्याख्यान दिया गया स

इस अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस के सचिव व कार्यकारी अधिकारी श्री शरद सिँह ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बताया कि सर सी. वी. रमन के लगन व नये खोज से भारत का सम्मान बढ़ा, उसी दिशा में आप सभी संस्थान को उचाईयो पर पहुंचाने हेतु तत्पर रहें स सह–निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने सभी को इस दिवस सर सी.वी. रमन के जीवन पर प्रकाश डालेट हुए बधाई दी तथा अधिष्ठाता डॉ. पी.के. सिंह व डॉ. हेमंत सिंह, अधिष्ठाता–इंजी.ने स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव क्रमशः पारित किया स

इस अवसर पर, डॉ. अमरजीत सिंह, विभागाध्यक्ष, श्री सुनीत मिश्रा, श्री उरोज समीम, डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. दीक्सित, आदि शिक्षक, अधिकारी और भारी संख्या में छात्र –छात्राए व् कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

शालीमार कलरोथॉन– लखनऊ में कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अनूठा संगम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नवाबी शहर के कला प्रेमियों के लिए कलरोथॉन शालीमार कॉर्प के सहयोग से एक भव्य कला उत्सव का आयोजन 3 मार्च 2024 को गोमतीनगर स्थित राम मनोहर लोहिया पार्क, में करने जा रहा है। इस बहुप्रतीक्षित कला उत्सव में हर उम्र के लोग शामिल होकर कला की इंद्रधनुषी दुनिया का आनंद उठा सकते हैं। इस मेगा आर्ट इवेंट के आयोजन की घोषणा करते हुए शालीमार कॉर्प के डायरेक्टर कुणाल सेठ, प्रसिद्ध वैज्ञानिक मिलिंद राज, अहमद शरीफ और शम्स वारसी संस्थापक और सह–संस्थापक मैनेजिंग ट्रस्टी कलरोथॉन फाउंडेशन और डॉ. वंदना सहगल डीन एंड प्रिंसिपल (फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, एकेटीयू) ने गुरुवार को कार्यक्रम से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस संबोधित किया। कलरोथॉन सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि रंगों का एक उत्सव है जो भावनाओं, विचारों और अभिव्यक्तियों को उजागर करता है। कलाकारों, चित्रकारों और स्केचिंग के शौकीन लोगों के लिए, यह एक कैनवास है जहाँ वे अपनी कल्पनाओं को रंगों में उतार सकते हैं। लाइव संगीत और मनमोहक प्रदर्शनों के बीच, कलरोथॉन प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने का एक मंच प्रदान करता है। यह एक ऐसा अवसर है जहाँ आप अपनी कला के माध्यम से खुद को व्यक्त कर सकते हैं और रंगों की दुनिया में खो सकते हैं। इस कला उत्सव में कलाप्रेमी विविधता का रंग देख पाएंगे। पारंपरिक चित्रों से लेकर समकालीन स्थापनाओं तक, हर तरह की भारतीय कला का प्रदर्शन यहाँ देखने को मिलेगा। लाइव प्रदर्शन, प्रसिद्ध कलाकारों के साथ बातचीत और व्यावहारिक पेंटिंग सत्र उत्सव के मुख्य आकर्षण होंगे। वे प्रसिद्ध कलाकारों को काम करते हुए देख पाएंगे और उनसे कला के बारे में सीख भी पाएंगे। व्यावहारिक पेंटिंग सत्र में वे खुद भी कलाकार बनकर रचनात्मकता का अनुभव कर पाएंगे। इसके अलावा, लाइव संगीत और नृत्य प्रदर्शन कला उत्सव में चार चांद लगाएंगे। कलाप्रेमी संगीत और नृत्य की मधुर धुनों के बीच कला के सौंदर्य का आनंद ले पाएंगे। कलरोथॉन फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी संस्थापक अहमद शरीफ ने कहा, कलरोथॉन फेस्टिवल अब अपने 10वें साल में है और ये पूरे भारत में सबसे बड़ा ओपन एयर कला मंच बन चुका है। यह एक खास फेस्टिवल है जो कई शहरों में आयोजित होता है। इस दिन हर उम्र और हर वर्ग के लोग इकट्ठे होते हैं, अपने अंदर के बच्चे को जगाने और पूरे देश में रंगों भरी एकता का जश्न मनाने के लिए। शालीमार कॉर्प के निदेशक कुणाल सेठ ने कहा, ष्शालीमार को यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व की अनुभूति हो रही है कि वह कलरोथॉन 2024 कार्यक्रम का प्रायोजक है। इस कार्यक्रम में सभी के लिए निशुल्क प्रवेश है। यह कार्यक्रम सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाएगा। हम इस सार्थक पहल का समर्थन करने के लिए रोमांचित हैं जो सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक जिम्मेदारी के हमारे मूल्यों के अनुरूप है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, शालीमार समुदाय को वापस देने और सांस्कृतिक संवर्धन के अवसर पैदा करने के महत्व को पहचानता है। कलरोथॉन 2024 सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने और एक बेहतर समाज बनाने के लिए लोगों को एक साथ लाने का एक शानदार तरीका है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक मिलिंद राज ने कहा, ष्कागज के एक खाली पन्ने से ज्यादा आजाद कोई चीज नहीं होती। जिसके ऊपर विज्ञान, तकनीक, रचनात्मकता और कल्पना एक दूसरे से मिलकर कला, नवाचार और रचनात्मकता के सबसे शानदार रूपों को जन्म देते हैं। शम्स वारसी सह–संस्थापक मैनेजिंग ट्रस्टी, कोलोरोथॉन फाउंडेशन, ष्कलरोथॉन सभी को 3 मार्च, 2024 को लखनऊ के लोहिया पार्क में रंगों के इस उत्सव में शामिल होने का दिली न्योता देता है। चाहे आप एक प्रसिद्ध कलाकार हों, एक नई प्रतिभा हों, या बस कला की खूबसूरती को पसंद करने वाले हों, कलरोथॉन में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश खन्ना से पेन्शनर संघो की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश के पेन्शनरों की समस्याओ के सम्बंध मे माननीय सुरेश खन्ना जी , वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार से उनके सचिवाल के कक्ष में पूर्व से निर्धारित बैठक सम्पन्न हुई, जिसमे पेन्शनर दिवस को और अधिक प्रभावी बनाने , 30 जुन को सेवानिवृत्त को नोशनल इंक्रीमेंट देने,पेन्शन की राशिकरण की वसूली 15 वर्ष के स्थान पर 12 वर्ष में बहाली करने ,विधवा पुत्रवधु को परिवारिक पेंशन का लाभ देने , वर्ष 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष नियुक्त कार्मिकों को पुरानी पेन्शन योजना का लाभ देने, 65,70,75 वर्ष की आयु पर 5, 10 और 15 प्रतिशत पेन्शन वृध्दि देने आदि बिन्दुओ पर चर्चा हुई, माननीय मंत्री जी का मांगों के प्रति सकारात्मक रूख रहा तथा बैठक मे उपस्थित विशेष सचिव, वित्त तथा निदेशक पेन्शन को कुछ बिन्दुओ पर शीघ्र कार्रवाई तथा कुछ बिन्दुओ पर प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

पीड़ित को न्याय दिलाना पहली प्राथमिकता–प्रभारी निरीक्षक

'ब्यूरो रिपोर्ट–
जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने व अपराधा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एस पी केशव चंद गोस्वामी ने कुछ दिन पूर्व कई प्रभारी निरीक्षकों को इधर उधर किया था। इसी क्रम में थाना पचदेवरा के नवागत थानाध्यक्ष ने चार्ज संभालने के बाद एक्शन में दिखे पाण्डेय ने क्षेत्र की जनता और पुलिस के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की बात कहते हुए जनता की रक्षा एवं उन्हें न्याय दिलाना अपना परम कर्तव्य एवं पहली प्राथमिकता बताया। नवागत प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र पाण्डेय ने कहा कि अपराधियों को किसी हाल में नहीं बख्शा जायेगा लिहाजा वह शराफत की जिंदगी जियें या फिर जेल जाने को तैयार रहें। प्रभारी निरीक्षक पाण्डेय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है वह पूरी ईमानदारी से उसका निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में कोई निर्दोष जेल नहीं जायेगा।जबकि दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा। यदि किसी को भी कोई समस्या है तो वह निःसंकोच थाने में आकर पुलिस की मदद ले।उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में यदि कुछ भी गलत देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि वक्त रहते किसी भी छोटी बड़ी बारदात को रोका जा सके।

सीएसआईआर–सीडीआरआई में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस–2024 (एनएसडी–2024) समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक थीम के अनुसार, सीएसआईआर –सीडीआरआई ने दो स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योग भागीदारों को हस्तांतरित करके और चिकित्सक शोधकर्ता, डॉ. विनीत आहूजा की एक वार्ता की मेजबानी करके एनएसडी–2024'

'1. फंगल केराटाइटिस के लिए नवीन ओफ्थेल्मिक फोर्मूलेशन के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण–

भारत सरकार के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की एक घटक प्रयोगशाला सीएसआईआर–सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर –सीडीआरआई) ने फंगल केराटाइटिस के लिए इस नवीन नेत्र संबंधी फोर्मूलेशन के आगे के विकास के लिए सिप्ला लिमिटेड को नई स्वदेशी तकनीक हस्तांतरित की। सहयोग का उद्देश्य फंगल केराटाइटिस के लिए एक सुरक्षित और प्रभावकारी दवा विकसित करने के लिए दोनों संस्थानों की संयुक्त विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाना है।

विश्व स्तर पर, हर साल फंगल केराटाइटिस के लगभग 1.2 मिलियन मामले सामने आते हैं, जिनमें उष्णकटिबंधीय देशों में अधिक घटनाएँ दर्ज की जाती हैं। फंगल केराटाइटिस अक्सर नेत्र संबंधी आघात और कार्बनिक पदार्थों से फंगल रोगजनकों के संपर्क में आने के बाद होता है, जिससे कृषि श्रमिकों को अधिक जोखिम होता है। अन्य जोखिम कारकों में स्थानीय स्टेरॉयड आई ड्रॉप का उपयोग, चोट, खराब व्यक्तिगत स्वच्छता और नियमित कॉन्टैक्ट लेंस पहनना शामिल हैं। उपचार न किए जाने पर, स्थिति के परिणामस्वरूप कॉर्निया नष्ट हो सकती है, जिससे दृष्टि की गहरी हानि हो सकती है। मौजूदा उपचारों की सीमाएँ हैं, जैसे दवाओं के लंबे समय तक और बार–बार उपयोग की आवश्यकता, और उभरती दवा प्रतिरोध।

सीएसआईआर–सीडीआरआई ने आंखों में इसकी डिलीवरी को अनुकूलित करने के लिए एंटीफंगल दवा के इस फॉर्मूलेशन को विकसित एवं स्थानांतरित किया है। प्रीक्लिनिकल अध्ययनों में, यह फॉर्मूलेशन संक्रमण को तेजी से कम कर रोग का समाधान करता है। अब, सिप्ला लिमिटेड उत्पाद का आगे विकसित करेगी, एवं अन्य आवश्यक अध्ययन करेगी तथा जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए व्यावसायीकरण के लिए विनियामक मंजूरी लेगी।

'2. पीसीआर–आधारित डायग्नोस्टिक्स एवं बायोमेडिकल रिसर्च के लिए फॉस्फोरामिडाइट –आधारित क्वेंचर्स की स्वदेशी तकनीक का हस्तांतरण'

सीएसआईआर–सीडीआरआई में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के अवसर पर, फॉस्फोरामिडाइट–आधारित फ्लोरोसेंस क्वेंचर्स की एक और स्वदेशी तकनीक ईएसएससीईई बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड को आज हस्तांतरित की गई। ईएसएससीईई बायोटेक लिमिटेड इन क्वेंचर अभिकर्मकों का न केवल भारत में बल्कि अमेरिका और यूरोपीय बाजार में भी व्यावसायीकरण करेगा।

टीम लीडर डॉ. अतुल गोयल ने बताया कि व्यावसायिक रूप से उपलब्धा क्वेंचर की संकीर्ण क्वेंचिंग लिमिट फ्लोरोसेंट रंगों के साथ उनके संयोजन को प्रतिबंधित करती है और इस प्रकार नैदानिक अध्ययनों (डायग्नोस्टिक्स) में इनकी उपयोगिता को सीमित करती है। व्यापक अवशोषण गुण वाले सीडीआरआई के फॉस्फोरामिडाइट–आधारित क्वेंचर को फ्लोरोफोर्स की एक विस्तृत श्रृंखला की उत्सर्जन विशेषताओं (क्रियाशीलता) से मेल खाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका उपयोग पीसीआर–आधारित एवं न्यूक्लिक एसिड आधारित बायोमेडिकल अनुसंधान में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, शोधकर्ता 20 साल से अधिक पुराने मल्टीपल क्वेंचर्स का उपयोग कर रहे हैं, जो महंगे हैं और पूरी तरह से विदेशों से आयात किए जाते हैं, जिससे हमारे देश पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। जीवन विज्ञान अनुसंधान में एकल या दोहरे लेबल वाले ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स के अनुप्रयोग, साथ ही नैदानिक चिकित्सा विज्ञान और निदान में उनकी बढ़ती मांग, इस नवाचार के महत्व को रेखांकित करती है। इन नए संशोधित क्वेंचर्स की शुरूआत आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करने और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर अपनी दो स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अपने उद्योग भागीदारों को हस्तांतरित करते हुए, सीएसआईआर –सीडीआरआई निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने कहा, ष्हमारा शोध भारत की अपूरित नैदानिक आवश्यक ताओं के लिए नवीन, लागत प्रभावी (सस्ते एवं प्रभावी) समाधान खोजने पर केंद्रित है। उन्होंने फंगल केराटाइटिस के लिए नवीन फॉर्मूलेशन की टीम को बधाई दी, जिसमें डॉ. रबी एस. भट्टा, डॉ. एस.के. शुक्ला और डॉ. माधव एन. मुगले और उनके शोधकर्ताओं की टीम एवं बीडीआईपी टीम के सदस्य शामिल हैं और उन्होंने फॉस्फोरा मिडाइट–आधारित क्वेंचर्स के विकास के लिए डॉ. अतुल कुमार और उनकी शोध छात्रा सुश्री प्रियंका पांडे को भी बधाई दी।

'एनएसडी–2024 पर, सीडीआरआई ने शुरू की ट्रांसलेशनल रिसर्च पर एक नई व्याख्यान श्रृंखला'

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 (एनएसडी–2024) के अवसर पर, सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ ने ट्रांसलेशनल रिसर्च पर एक नई व्याख्यान श्रृंखला शुरू की, जो शोधकर्ताओं को अपने बुनियादी शोध को व्यावहारिक अनुसंधान अथवा नई थेरेप्युटिक्स (चिकित्साविधि) के रूप में ट्रांस्लेट (अनुवादित) करने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगी। इस अवसर पर उद्घाटन भाषण में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

(एम्स), नई दिल्ली में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और मानव पोषण के प्रोफेसर, प्रख्यात वक्ता डॉ. विनीत आहूजा ने इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज में माइक्रोबायोम मैनिपुलेशन थैरेपीज विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने गैस्ट्रो–इंटेस्टाइनल (जीआई) रोगों के मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने कहा, गट माइक्रोबायोटा (आंत में मौजूद सूक्ष्मजीव) आंतों के स्वास्थ्य के साथ–साथ बीमारियों (जैसे सूजन आंत्र रोग (आईबीडी), क्रोहन रोग एवं अल्सरेटिव कोलाइटिस (यूसी) आदि) को नियंत्रित करता है। फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांटेशन (एफएमटी) (यानी स्वस्थ वयक्ति के विष्ठाध्मल से रोगी की आंत में सूक्ष्मजीवों का प्रत्यारोपण), गैस्ट्रो–इंटेस्टाइनल (आंत्र संबंधी) रोगों के उपचार के लिए तेजी से कारगर हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि एफएमटी की व्यावहारिक जटिलताओं पर विचार करते हुए, आंत्र माइक्रोबायोटा से व्युत्पन्न मेटाबोलाइट्स को ऐसे जीआई (आंत्र संबंधी) रोगों के उपचार के लिए संभावित नए चिकित्सीय के विकल्प के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि सीएसआईआर–सीडीआरआई और एम्स, नई दिल्ली की टीमें इस मेटाबोलाइट्स आधारित इस नई ट्रांसलेशनल थेराप्यूटिक्स (चिकित्साविधि) के विकास के लिए साथ मिलकर काम कर सकती हैं।

आई0आई0एल0एम0 एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग का वार्षिकोत्सव "जील 2024" खेलकूद प्रतियोगिताओ के साथ शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर स्थित आई0आई0एल0एम0 एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, के चार दिवसीय 16वें वार्षिकोत्सव "जील 2024" का आरम्भ दिंनाक 28 फरवरी 2024 को खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। कार्यक्रम में शहर के 40 से ज्यादा स्नातक, स्नात्तकोत्तर एवं प्रबंधन संस्थानों के छात्र–छात्राएं पूर्ण उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। संस्थान की निदेशक डॉ0 शीतल शर्मा ने अपने सम्बोधन में जील 2024 के आयोजन के उद्देश्य से अवगत कराया तथा यह भी बताया कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों में नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच तथा रचनात्मकता एवं प्रबन्धन के गुण विकसित करते हैं तथा उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। चार दिवसीय वार्षिकोत्सव "जील 2024" के प्रथम दो दिनों दिनांक 28 व 29 फरवरी को विभिन्न खेलकूद प्रतियोगितायें जैसे वालीबाल, खोखो, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, शाटपुट, जैवलिन, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, शतरंज, आदि विनय खण्ड स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित की जा रही हैं तथा अन्तिम दो दिनों दिंनाक 1 व 2 मार्च को सांस्कृतिक एवम शैक्षिक प्रतियोगितायें आई.आई.एल.एम. परिसर में आयोजित की जायेगी।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 फवाद अली खान एवं प्रोफेसर तौसीफ इरफान के अनुसार चार दिवसीय वार्षिकोत्सव "जील" एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम है जिसके प्रति छात्रों का उत्साह हर वर्ष बढता जा रहा है। इस वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं में 40 से अधिक संस्थानो के छात्र भाग ले रहे है जिसमें School of Management Science, Babu Banarasi Das University, Shri Ramswaroop Memorial University, Amity University, BBAU, Shri Ramswaroop Memorial College of Engineering and Management, Lucknow University, Lucknow Christian College. Shri Jai Narain PG College, Lucknow Public College of Professional Studies, Netaji Subhashchandra Bose P G College, Navyug Girls PG College, CIMRT] ICCMRT, MGCPS, Techno आदि प्रमुख हैं।

अन्य खेलकूद प्रतियोगिताओं जैसे वालीबाल, खोखो, बैडमिंटन, शाटपुट, जैवलिन, एथलेटिक्स, आदि के प्रथम चरण के मुकाबले सम्पन्न हुए। सेमीफाइनल एवम फाइनल मुकाबले जील के दूसरे दिन दिंनाक 29 फरवरी को खेले जायेगे जिससे विजेताओं का चयन होगा। "जील 2024" का प्रथम दिन उत्साह व उल्लास से भरपूर रहा, सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रर्दशन किया। विभिन्न कालेजों से आये सभी प्रतिभागियों ने आई0आई0एल0एम0 के छात्रों एवं फैक्लटी मैम्बर्स के कुशल प्रबंधन एवं सहयोग की प्रशंसा की।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।